करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग चढ़ी पुलिस के हत्थे

जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बैंक और फाइनेंस कंपनी से करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग की एक महिला सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि इस गैंग के लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोन पर वाहन लेकर उनकी फर्जी एनओसी के आधार पर आगे बेचते थे। जिस से बैंकों और फाइनेंस कंपनी को करोड़ों का नुकसान हुआ। इसके अलावा गैंग के सदस्य कई राज्यों में ठगी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं और इनके खिलाफ दो दर्जन से अधिक मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बैंक और फाइनेंस कंपनी से करोड़ों रुपये का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाली अन्तर्राज्यीय गैंग के विजय कुमार अग्रवाल (40)निवासी नादौती जिला करौली हाल प्रतापनगर जयपुर,सजल अग्रवाल(25) निवासी श्रीमाधोपुर हाल प्रतापनगर जयपुर और इमरान खान (30) निवासी महू खास जिला करौली हाल प्रतापनगर जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित विजय कुमार पिछले कई सालों से अपने गिरोह में बाहरी राज्यों के एवं जानकार लोगों को शामिल करता। उनको अपने किराए के अपार्टमेंट में रखता । उस अपार्टमेंट के किरायानामा के आधार पर गिरोह के सदस्य के आधार कार्ड में पता आदि चेंज करवा कर बैंक अकाउंट खुलवा देता। उसे बैंक अकाउंट में दो-तीन महीने तक ट्रांजैक्शन कर अलग-अलग बैंकों से वाहन खरीदने के नाम पर लोन लिया जाता था। लोन की दो-तीन किस्त देने के बाद आरटीओ में फर्जी एनओसी देकर आरसी अपने ही गिरोह के दूसरे सदस्य के नाम ट्रांसफर करवा दी जाती थी। इसके बाद विजय कुमार वाहन को स्पिनी या अन्य कंपनियों में फर्जीवाड़ा कर बनाई गए दस्तावेजों के आधार पर बेच दी जाती थी।

भांकरोटा थाना पुलिस ने अन्तर्राज्यीय गैंग की एक महिला सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- आरोपित विजय कुमार पिछले कई सालों से अपने गिरोह में बाहरी राज्यों के एवं जानकार लोगों को शामिल करता

आरोपित विजय कुमार बहुत ही शातिर किस्म का व्यक्ति है। इसके द्वारा पूर्व में भी इस प्रकार से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वाहनों पर लोन करवा कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोन की एनओसी बनाकर वाहन बेचे गए हैं। जिनके अलग-अलग जिलों में मुकदमे दर्ज है।गौरतलब है कि दो जून को भांकरोटा थाने पर वैल्यू ड्राइव टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (स्पिनी) की ओर से मामला दर्ज कराया था कि स्पिनिंग कंपनी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से सेकंड हैंड कारों की बेचने और खरीदने का काम करती है। जिसके चलते जनवरी 2025 में एक व्यक्ति ने अपनी कार हुंडई वेन्यू 2024 मॉडल बेचने के लिए संपर्क किया था। उस व्यक्ति ने फर्जी तरीके से कार की नई आरसी कार्ड से कंपनी के साथ फर्जी और धोखाधड़ी कर कंपनी को कार बेची और इसी प्रकार से पूर्व में भी लगभग 8-10 कार बेच चुका हैं।

ट्रांसफर के 5 माह बाद आखिरकार जलदाय अभियंता दिनेश कूकना जेडीए से कार्यमुक्त

जयपुर । जलदाय विभाग के ट्रांसफर आदेश के करीब 5 माह बाद सोमवार को आखिरकार जेडीए प्रशासन ने प्रतिनियुक्ति पर लगे अधिशाषी अभियंता दिनेश कुमार कूकना को उनके नए पदस्थापन के लिए रिलीव (कार्यमुक्त) कर ही दिया। इस संबंध में जेडीए की अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन) डॉ. प्रिया बलराम शर्मा ने आयुक्त आनंदी की मंजूरी के बाद आदेश जारी किए।

इन पिछले 5 माह में उन्होंने अपना तबादला रुकवाने का भी भरकस प्रयास किया, परंतु जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत के आगे उनकी एक नहीं चली।

राज्य सरकार के आदेशों की पालना नहीं करने वाले अफसरों पर मंत्री कन्हैयालाल चौधरी बेहद नाराज थे, उन्होंने प्रत्येक ऐसे कार्मिक पर कार्रवाई के आदेश दिए थे। मजेदार बात यह है कि उन्होंने जेडीए से रिलीव होने के बाद भी मंगलवार को अपने नए पद को नहीं संभाला।

- जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी की नाराजगी और अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर सावंत के पत्र के 11 दिन बाद जेडीए प्रशासन ने रिलीव ऑर्डर जारी किए

27 मई को अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत ने खुद जयपुर विकास प्राधिकरण कमिश्नर आनंदी को पत्र लिखकर 15 जनवरी 2025 के ट्रांसफर आदेशों की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए आग्रह करते हुए प्रतिनियुक्ति पर जेडीए में लगे दी दिनेश कूकना को तत्काल प्रभाव से रिलीव करने के आदेश दिए थे। सावंत ने पत्र में लिखा था कि, जेडीए में प्रतिनियुक्ति पर लगे हुए अधिशासी अभियंता दिनेश कूकना का तबादला 15 जनवरी को जलदाय विभाग ने अधिशाषी अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) जयपुर के पद पर किया था, लेकिन कूकना ने आज तक वहां पदभार नहीं संभाला है। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल वितरण की सुचारू व्यवस्था के लिए विभागीय आवश्यकताओं के मध्य नजर दिनेश कूकना को तत्काल प्रभाव से कार्य मुक्त कर नवीन पदस्थापन स्थान पर कार्य ग्रहण किए जाने हेतु निर्देशित करने का श्रम करावे। इस पत्र के 11 दिन बाद भी जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन ने दिनेश कूकना को रिलीव कर दिया।हैरानी की बात यह है कि, जलदाय विभाग के मुख्य अभियंता संदीप शर्मा ने गत 29 अप्रैल को दिनेश कूकना को पत्र लिखकर तत्काल जेडीए से स्वयं रिलीव होकर अधिशासी अभियंता कार्यालय मुख्य अभियंता (शहरी एवं एनआरडब्ल्यू) के पद का कार्यभार संभालने के आदेश दिए थे।

राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन

जयपुर। राजस्थान को केन्द्रीय बिजली मंत्रालय द्वारा वायबिलिटी गैप फंडिंग के अंतर्गत 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली का आवंटन किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय विद्युत मंत्री मनोहरलाल का आभार प्रकट करते हुए कहा है कि यह आवंटन राज्य में ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने के साथ ग्रीन एनर्जी के लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वीजीएफ के अंतर्गत यह सहायता भारत सरकार के पावर सिस्टम डेवलपमेंट फंड से दी जाएगी। राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट आवर की दर से 720 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस आवंटन के फलस्वरूप राज्य में बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास को गति मिलेगी, जिससे सौर और पवन ऊर्जा जैसे अक्षय स्त्रोतों से उत्पन्न बिजली को संरक्षित कर आवश्यकता अनुसार उपयोग में लाया जा सकेगा। इससे ग्रिड स्थिरता में भी सुधार होगा और गैर-सौर घंटों एवं पीक लोड के दौरान बिजली की निर्बाध व सुलभ आपूर्ति में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश को ग्रीन एनर्जी हब बनाने के लिए संकल्पबद्ध है और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समयबद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत कर बीईएसएस प्रणाली का विकास करने के लिए तत्पर है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जताया प्रधानमंत्री और केन्द्रीय विद्युत मंत्री का आभार
- राजस्थान को 4 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट आवर की दर से 720 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय विद्युत मंत्री को पत्र लिखकर और व्यक्तिशः मुलाकात कर राजस्थान को अतिरिक्त बीईएसएस क्षमता आवंटित करने का आग्रह किया था। साथ ही, नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भी उन्होंने यह मांग प्रमुखता से उठाई थी।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने देशभर में 30 गीगावाट आवर की बीईएसएस क्षमता के विकास के लिए वीजीएफ के तहत सहायता देने का निर्णय लिया है, जिसमें से 25 गीगावाट आवर की क्षमता 15 राज्यों को और 5 गीगावाट आवर की क्षमता एनटीपीसी को आवंटित की गई है।

विधायक सराफ ने डामर सड़क का शिलान्यास किया

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 150 गंगवाल पार्क में टी पॉइंट से जेएलएन मार्ग तक डामर सड़क एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स का शिलान्यास किया। सराफ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अब डबल इंजन की सरकार है विकास का कोई भी काम नहीं रुकेगा। और नगर निगम ग्रेटर ने सभी वार्डों में 50-50 लाख रूपये के विकास कार्य स्वीकृत किए हैं।

स्थानीय पार्षद जितेंद्र श्रीमाली ने बताया की गंगवाल पार्क की सड़क काफी समय से टूटी हुई थी, स्थानीय लोगों की मांग पर सराफ के द्वारा नगर निगम ग्रेटर से डामर सड़क का नवीनीकरण करवाया जा रहा है एवं फुटपाथ पर दोनों तरफ इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जा रही है जिसका आज सांसद मंजू शर्मा एवं क्षेत्रीय विधायक सराफ के द्वारा शिलान्यास किया गया।

नटवर कुमावत ने बताया की स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक सराफ ने गंगवाल पार्क में विधायक कोष से सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने की घोषणा की, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र की 32 कॉलोनी में सीसीटीवी कैमरे लग चुके हैं 11 कॉलोनी में कार्य पाइपलाइन में है उनमें भी जल्दी ही कार्य पूरा हो जाएगा। इस अवसर पर जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार सैनी, विकास समिति अध्यक्ष अनंत शर्मा, नगर निगम उपायुक्त प्रियव्रत सिंह चारण, उपाध्यक्ष विवेकानंद गोस्वामी,मंत्री हर्ष भाटी, प्रवीण तंवर, गिर्राज सोढ़ानी, एमके माहेश्वरी, अजय बंसल,मनीषा गोधा, माला जैन, निधि बंसल,भास्कर पुरोहित एवं अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे।

- विधायक सराफ ने वार्ड 150 गंगवाल पार्क में टी पॉइंट से जेएलएन मार्ग तक डामर सड़क एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स का किया शिलान्यास

सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण किया

जयपुर। मालवीय नगर के करधनी शॉपिंग सेंटर पर महापौर सौम्या गुर्जर और विधायक कालीचरण सराफ ने संयुक्त रूप से नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण किया।वार्ड नंबर 131 के पार्षद गोविंद सिंह छीपा ने बताया कि लगभग 30 साल पहले बने इस शॉपिंग सेंटर पर केवल पुरुष मूत्रालय ही था। जिससे खरीददारी पर आने- जाने वाली महिलाओं को सामान्य सुविधाओं से भी वंचित होना पड़ता था। उन्होंने कहा कि महिला शौचालय बनाने की प्रेरणा उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण सुनकर और टॉयलेट फिल्म देख कर मिली । उन्होंने अपने चुनाव में इसका वादा किया था , जो अब पूरा हुआ है । इस अवसर पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा सुमन शर्मा , समाजसेवी सिद्ध कुमार विजय वर्गीय , ओम शर्मा , नरेंद्र सिंह , रामकृपाल , सुनील, गंगाराम ,राजा गुटुरू , ओम सैनी , नीरजा सक्सेना,अर्जुन दास , किशोर , घनश्याम भार्गव आदि अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

एनसीडी रोगियों की जांच, डेटा इन्द्राज में गंभीरता बरतने के निर्देश

जयपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि निचले स्तर तक विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए निरामय राजस्थान के संकल्प को साकार करें। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में एनसीडी कार्यक्रम के तहत 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की ब्लड प्रेशर एवं डायबिटीज जांच के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से प्राप्त किया जाए।

अतिरिक्त मिशन निदेशक मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित हैं। इन कार्यक्रमों को प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और विभिन्न स्वास्थ्य मानकों में प्रदेश की स्थिति और बेहतर हो। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम में मरीज का समय पर निदान और उपचार प्रारम्भ होना बेहद आवश्यक है।

कलयुग में नाम संकीर्तन सर्वोपरि

जयपुर। मंदिर श्री माधो बिहारी जी में महंत योगेश चंद्र स्वामी के सानिध्य मे आयोजित भागवत कथा में ललित संप्रदायाचार्य महंत संजय गोस्वामी जी ने कहा कि भागवत कथा सत्रह पुराणों का सार है यह कल्पवृक्ष अमृत फल है जबकि वेद जल है सत्रह पुराण उसकी शाखाएँ है , जो भागवत का श्रवण चिंतन करता है वह अमरता को प्राप्त करता है कथा से मनुष्य के अवगुण समाप्त हो जाते है तथा नाम संकीर्तन से ईश्वर की प्राप्ति संभव है भगवान शीघ्र प्रसन्न होते है " कलयुग केवल नाम अधारा सुमर सुमर होय भव पारा " नाम संकीर्तन सारे पापों को सर्वथा नष्ट कर देता है और सभी प्रकार के दुखों से मुक्त कर देता हैं।

चरवाहों की समस्याओं को लेकर पशुपालकों से बैठक की

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को शासन सचिवालय में अन्य राज्यों में पशु चराने वाले पशुपालकों से बैठक की। इस बैठक में पशुपालकों ने अन्य राज्यों पर पशु चराने के लिए झुंड में पशुओं को ले जाने के दौरान वन विभाग व आमजन द्धारा परेशान किए जाने का मामला उठाया। इस दौरान पशुपालकों ने राजस्थान सीमा के कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, डूंगरपुर, चितौड़गढ, भीलवाड़ा व प्रतापगढ के वन क्षेत्रों में रात्रि पड़ाव के दौरान कई बार लूटपाट एवं खूनी संघर्ष की घटनाएं हो चुकी हैं। पशुपालकों ने मंत्री को अवगत कराया कि जब पशुपालक अपने पशुओं को मध्यप्रदेश और छतीसगढ राज्य में खुले में पशु चराने के लिए लेकर जाते हैं तो वहां किसानों व वन विभाग के कर्मचारियों द्धारा मारपीट की जाती है। ऐसी स्थिति में जब पीड़ित पशुपालक संबंधित थाने या विभाग के उच्चाधिकारियों के पास आरोपियों की शिकायत लेकर जाते हैं तो उन्हें बुरी तरह से प्रताड़ित किया जाता है। इस पर पशुपालकों ने पड़ोसी राज्यों की सरकार के पशुपालकों को चारागाहों में निर्बाध रूप से पशु चराने की अनुमति देने व आरोपियों पर प्रभावी कानूनी कार्रवाई का आग्रह किया। इसी तरह मध्यप्रदेश के वन क्षेत्र में निष्क्रमणीय भेड़ पालकों के पशुओं की चराई की अनुमति दिलवाने तथा मध्यप्रदेश और छतीसगढ सरकार की चरवाह नीति में स्थानीय पशुपालकों एवं निष्क्रमणीय पशुपालकों के बीच विभेद समाप्त करवाकर समान व्यवहार किए जाने के संबंधी नीति जारी करवाने का मामला उठाया गया।

चाकू से जानलेवा हमले करने वाले आरोपी को पकडा

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चाकू से जानलेवा हमले करने वाले एक आरोपित को पकडा है और उसके पास से वारदात के दौरान प्रयुक्त किया गया एक चाकू भी बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ पूर्व में कई थानों में एक दर्जन से अधिक मारपीट,हत्या,हत्या का प्रयास सहित कई संगीन मामले दर्ज है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 25 मई को पीडित मनोहर सिंह पर चाकू से जानलेवा हमले करने के मामले में फरार आरोपित जयेश शर्मा निवासी सोडाला जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपित आदतन अपराधी है। जो पूर्व में पुलिस थाना में भी कई वारदात कर चुका है। जिसके खिलाफ सोडाला थाने में एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है।

काश्तकारों ने एक जमीन को दो-दो बार बेचा

जयपुर। सांगानेर एयरपोर्ट पर श्री जगदीश धाम योजना में कई साल पहले खरीदे भूखण्डों पर कब्जा लेने के लिए भूखण्डधारियों को दर -दर की ठोकरें खानी पड़ रही हैं। इस स्कीम में पीडितों ने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक , जिला कलेक्टर, पुलिस कमिश्नर, डीसीपी जयपुर पूर्व को पत्र लिखकर भूखण्डों पर कब्जा दिलाने और नाजायज कब्जा करने वालो के विरूद्ध कार्रवाई कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

पीडित तुलसीराम चौधरी और दौलतसिंह चौहान ने अन्य पीड़ितों के साथ मंगलवार को प्रेस कान्फ्रेंस कर अपना दुखड़ा सुनाया। उनका कहना है कि अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड ने गांव टीलावाला जगतपुरा सांगानेर एयरपोर्ट रोड़ के पास 1997 में काश्तकार जगदीश पुत्र गोदू निवासी टीलावाला से 4.70 हैक्टेयर जमीन जरिए इकरारनामा से खरीदी थी। इसका प्रतिफल भी दे दिया था। सोसायटी ने इस जमीन पर श्री जगदीश धाम योजना बसाई थी। इसमें बाकायदा उनसे पैसे लेकर पट्टे दिए थे और कब्जा भी सौंपा था। उसके बाद 2005 में काश्तकार जगदीश, घासी, भौंरीलाल, रामपाल पुत्र गोदू ने इस जमीन को मैसर्स प्राइम बिल्डहोम को बेचान कर दिया। इसके निदेशक पुनीत कर्नावट और गोविन्द अग्रवाल है। इन दोनों ने अपनी 16 बीघा जमीन को जेडीए से आवासीय योजना अप्रूव्ड करा कर यहां कालोनी के निवासियों को पट्टे देने शुरू कर दिए और मूल आवंटियों व भूखंडधारियों को बेदखल करना शुरू कर दिया है।

- भूखण्डधारी न्याय के लिए जगह जगह कर रहे हैं फरियाद
- आरोपियों के खिलाफ मुकदमा, दो साल में जांच तक नहीं

श्री जगदीश धाम योजना में जब पीडित जब भी अपने भूखण्डों का कब्जा लेने के लिए जाते हैं तो उनको वहां से भगा दिया जाता है। उन्हें कहा जाता है कि श्री जगदीश धाम योजना के नाम से कोई स्कीम नहीं है। यहाँ तो हमारी स्कीम है। पीडित जब अचरोल गृह निर्माण सहकारी समिति के मालिक देशराज बैरवा एवं गौरी शंकर गुप्ता से मिले तो उन्होंने 7 अप्रेल 2022 को प्रताप नगर थाना में मैसर्स प्राइम बिल्डहोम के निदेशक पुनीत कर्नावट, गोविन्द अग्रवाल और काश्तकारों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवा दिया है।

जल संसाधन मंत्री आज सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत 11 जून, 2025 को दौसा, करौली और धौलपुर की विभिन्न जल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और भूमि पूजन करेंगे। वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में तीनों जिलों के किसानों और आमजन को पर्याप्त जल उपब्लधता की सौगातें मिलेंगी।

रावत बुधवार सुबह 10 बजे मोरेल नदी पर ग्राम समेल लालसोट में निर्मित समेल एनिकट को लोकार्पित करेंगे। इसके बाद शाम 4 बजे पांचना बांध का पुर्नवास एवं सुधार कार्य सहित अन्य एनिकट निर्माण कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। यहीं से धौलपुर की 61 करोड़ रूपए लागत से तैयार 07 एनिकट/सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया जाएगा। यह परियोजनाएं जल संरक्षण की दिशा में स्थायी समाधान और स्थानीय पर्यावरण सुधार में महत्वपूर्ण साबित होंगी।

दौसा के लालसोट में समेल एनिकट के निर्माण में अब तक 19.82 करोड़ रूपए की लागत आई है। इससे समेल, होदायली, गुजरहेरा, मंडलिया, जगसरा, गुमानपुरा सहित आसपास के गांवों व ढाणियों को लाभ होगा। जल संग्रहण से भू-जल रिचार्ज होगा, जिससे पेयजल व सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिल सकेगा। पशुपालन और वन्यजीवों के लिए भी एनिकट उपयोगी सिद्ध होगा। इसमें गेटेड प्रणाली का प्रावधान है।

रावत करौली में 28 करोड़ रूपए से अधिक के 4 कार्यों का भूमि पूजन और शिलान्यास करेंगे। इनमें, पांचना बांध के समग्र जीर्णोद्धार व आधुनिकीकरण कार्य का भूमि पूजन होगा। पांचना बांध के कार्यों में पिंचिंग, ड्रेनेज गेलेरी की रिपेयरिंग, बांध के एप्रोच रोड का निर्माण, डी.जी सेट सप्लाई, बांध के गेटों की मरम्मत, हाई मास्ट लाइट, पत्थर की चिनाई, स्पिलवे निर्माण सहित विभिन्न कार्य होंगे। इसमें 14 करोड़ रूपए से अधिक की लागत आएगी। इन कार्यों से बांध अधिक सुदृढ़ होगा और क्षमता बढ़ेगी।

करौली में तहसील सूरौठ की ग्राम पंचायत वाईजट में नाले पर नवीन एनिकट का निर्माण होगा। इसमें लगभग 6.06 करोड़ रूपए की लागत आएगी। इससे ग्राम वाईजट, धुरसी, ईन्तखेड़ा, विजयपुरा आदि गांवों के भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। सपोटरा तहसील की ग्राम पंचायत कालागुड़ा में 1.62 करोड़ रूपए की लागत से तिखूटी एनिकट का निर्माण होगा। तहसील सूरौठ की ग्राम पंचायत जटनगला के पास जग्गर नदी पर एनिकट बनेगा। इसमें 6.31 करोड़ रूपए की लागत आएगी। इससे ग्राम जटनगला, एकोराशी, बहादुरपुर, आलापाड़ा इत्यादि गांवों में भू-जल स्तर बढ़ेगा। पशु-पक्षियों को सुलभ पानी मिलेगा। तीनों ही जगहों पर ऑवर फ्लो एनिकट, अपस्ट्रीम व डाउनस्ट्रीम लेमिना कार्य, डाउनस्ट्रीम एप्रॉन कार्य, प्लम कंक्रीट, विंग वॉल, कट ऑफ वॉल सहित विभिन्न कार्य कराए जाएंगे।

नेशनल प्लेयर से जुड़े मामले में पॉक्सो कोर्ट ने जांच अधिकारी को नसीहत दी

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग नेशनल प्लेयर को अभद्र इशारे करने से जुडे मामले में जांच अधिकारी और ज्योति नगर थानाधिकारी को नसीहत दी है। वहीं अदालत ने कुछ बिंदुओं पर जांच नहीं करने पर अनुसंधान अधिकारी को चेतावनी दी है।

पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार गुप्ता ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी की ओर से जांच में लापरवाही का मामला पहली बार अदालत के समक्ष आया है। ऐसे में चेतावनी दी जाती है कि यदि भविष्य में उनकी कार्यशैली में सुधार नहीं आया तो यह माना जाएगा कि वे जानबूझकर पीड़ित पक्ष को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अदालत ने कहा कि अनुसंधान अधिकारी को याद रखना चाहिए कि ऐसा करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 198 व धारा 199 के तहत आता है। अदालत ने जांच अधिकारी को कहा कि वे दिए गए निर्देशों की पालना करेंगे, ताकि अदालत को यह मानना पडे कि मामले में की गई लापरवाही सद्भाविक चूक है न की जानबूझकर की गई चूक। वहीं अदालत ने प्रकरण के आरोपी बहादुर को 19 जून तक जेल भेज दिया है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि पीड़ित और फरियादी दोनों की आरोपी को नहीं जानते थे तो उसे बापर्दा गिरफ्तार कर जेल में पहचान परेड कराई जाती। जिस व्यक्ति ने पीडिता के पिता को आरोपी का नाम बताया, उसके बयान दर्ज किए जाते।

इसके अलावा घटना से जुडे सीसीटीवी फुटेज, डीवीआर जब्त करने सहित आरोपी के कंट्रोल फोटो लेने के लिए भी कार्रवाई नहीं की गई। यहां तक की एफआईआर के अनुसार जिन पुलिसकर्मियों ने घटना देखी, उनके बयान भी दर्ज नहीं किए गए। अदालत ने कहा कि सुपरविजन अधिकारी सहायक पुलिस आयुक्त ने भी आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार नहीं करने के तथ्य पर विचार नहीं किया।

वहीं उनके सुपरवाइजरी नोट में एक दुकान मालिक के बयान लेने के निर्देश पर ही जांच अधिकारी ने विचार नहीं किया। गौरतलब है कि गत 3 जून को पीडिता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी एक दिन पहले खेलने के लिए अकादमी जा रही थी।

रास्ते में एक दुकान पर मौजूद आरोपी ने उससे अभद्रता व्यवहार और इशारे किए। पूर्व में भी कई बार आरोपी ने उसकी बेटी को प्रताड़ित किया है। जिससे बेटी के मन में भय व्याप्त हो गया है। ऐसे में भविष्य में बडी घटना ना हो, इसका ध्यान रखा जाए। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया था।

प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा आधारित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

जयपुर । महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी के मुख्य आतिथ्य में एवं आईसीडीएस निदेशक ओपी बुनकर की उपस्थिति में मंगलवार को इंदिरा गाँधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में महिला एवं बाल विकास विभाग (निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं) की ओर से प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ई. सी. सी. ई.) आधारित दो दिवसीय जिला स्तरीय समूह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

- ग्रोथ मॉनिटरिंग के लिए बहुत जरुरी है सही डेटा एंट्री :- शासन सचिव महिला एवं बाल विकास

शासन सचिव महेन्द्र सोनी ने प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में कहा कि विभाग के सुदृढ़ीकरण के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का काम किया जाना चाहिए।

आईसीडीएस सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बेसलाइन डेटा की सही होना अत्यंत आवश्यक है। इसके आधार पर ही बेहतर योजनाओं का निर्माण होता है तथा ग्राउंड पर वास्तविक रूप में समस्याओं का समाधान भी संभव हो पाता है।

दो दिवसीय जिला स्तरीय समूह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

उन्होंने कहा कि जब तक डेटा एंट्री उचित रूप से वास्तविक आधार पर नहीं की गई हो तब तक ग्रोथ मॉनिटरिंग सही रूप में नहीं हो सकेगी। उन्होंने कहा कि सही डेटा एंट्री नितांत रूप से आवश्यक है।

विभाग में किसी भी योजना में 10 दिन से ज्यादा पुराना कोई भी प्रकरण लंबित न रहें, इस प्रतिबद्धता से कार्य किया जाए।

उन्होंने कहा कि हमारे मानदेय कर्मियों के मानदेय का भुगतान नियमित रूप से हो यह अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्मिक को सेवा के प्रति अपडेट करते हैं।

इस अवसर पर निदेशक ओ पी बुनकर ने कहा कि कोई भी प्रशिक्षण यदि दो तरफा होता है तो ही वह उपयोगी होता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के अधिकारियों को मॉनिटरिंग में सुधार करना चाहिए।

पोषण ट्रेकर पोर्टल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चें आंगनबाडी आने को उत्सुक हो और पूरी संख्या में आंगनबाडी आये तब जाकर इस प्रकार के प्रशिक्षण अपने उद्देश्य की प्राप्ति में सफल होंगे।

सहायक अभियंता और सहायक प्रशासनिक अधिकारी तीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की झुंझुनूं टीम ने मंगलवार को कार्यालय सहायक अभियंता एवीवीएनएल ओएंडएम चिड़ावा जिला झुंझुनू के सहायक अभियंता और सहायक प्रशासनिक अधिकारी को तीस हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी परिवादी से उसकी फाइलों को अप्रूव करने की एवज में चालीस हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे थे। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी झुंझुनूं को परिवादी ने शिकायत दी कि वह प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत कार्य करता है। एवीवीएनएल सहायक अभियंता आजाद सिंह एवं ओएंडएम चिड़ावा झुंझुनूं के सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र सिंह की ओर से परिवादी की फाइलों को अप्रूव करने की एवज में चालीस हजार रुपए रिश्वत मांग की जा रही है। इस दौरान रिश्वत मांग सत्यापन दोनों आरोपितों द्वारा परिवादी की फाइलों को अप्रूव करने के लिए तीस हजार रुपए रिश्वत की मांग करना पाया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेन्द्र सिंह से रिश्वत के तीस हजार रुपए की बरामदगी की गई। एसीबी झुंझुनूं के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस्माइल खान के नेतृत्व में मंगलवार को ट्रैप की कार्यवाही करते हुए सहायक अभियंता आजाद सिंह एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी नरेन्द्र सिंह को तीस हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।